भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1030

03 दिसम्बर, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष दवाओं का उपयोग

1030. श्री राजबहादुर सिंह:
श्री जयदेव गल्लाः
श्री कृष्णपालसिंह यादवः
श्री पी.पी. चौधरीः
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गीः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हल्के लक्षणों वाले रोगियों के उपचार के लिए आयुष दवाओं जैसे आयुष-64 का उपयोग किया गया था;

(ख) यदि हां, तो उक्त दवाएं देने वालों और इस प्रकार ठीक होने वालों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इसे अंतरराष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों के लिए अग्रेषित किया है और इसके अतिरिक्त विदेश में उपयोग के लिए अनुमोदन प्राप्त किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहे;

(घ) राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत कोविड के दौरान राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र-वार प्रशिक्षित और नियोजित पेशेवरों की संख्या कितनी है; और

(ड.) पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत टेली-मेडिसिन के माध्यम से कितने रोगियों की चिकित्सा की गयी है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोनोवाल)

(क): जी, हां।

(ख)**:** आयुष मंत्रालय द्वारा आरंभ किए गए एक अभियान के दौरान कोविड-19 के लक्षणरहित और हल्के से मध्यम रोगियों को आयुष औषधियां अर्थात् आयुष-64 और कबासुर कुडिनीर दी गई थीं। कुल 63,265 रोगी इन औषधियों से लाभान्वित हुए। इन उपचारों के परिणामों ने गंभीर या नाजुक अवस्था में रोग की प्रगति हुए बिना नैदानिक स्वास्थ्य लाभ और अस्पताल में ठहरने की अवधि में महत्वपूर्ण सुधार दर्शाया है। इसके अतिरिक्त, जीवन के गुणवत्ता (क्यूओएल) कारकों में सुधार पाया गया। ये उपचार सहनशील और सुरक्षित पाए गए।

(ग): जी, हां। आयुष मंत्रालय ने अपने स्वायत्त संस्थान अर्थात् अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली के माध्यम से 22 जुलाई, 2021 को "यू.के. में कोविड-19 से स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देने के लिए अश्वगंधा" पर अध्ययन संचालित करने के लिए लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रोपिकल मेडिसिन (एलएसएच एंड टीएम), यू.के. के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अध्ययन एक यादृच्छिक, प्लेसबो नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण है। यह अध्ययन मेडिसिन्स एंड हेल्थ केयर प्रोडक्ट रेग्यूलेटरी एजेंसी (एमएचआरए) द्वारा अनुमोदित है और डब्ल्यूएचओ-जीएमपी द्वारा प्रमाणित है। इसका आयोजन और निगरानी अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त जीसीपी (अच्छे नैदानिक अभ्यास) दिशानिर्देशों के अनुसार की जा रही है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में "कोविड-19 संक्रमण से लड़ने में गुडूच्यादी गोलियों के आण्विक तंत्र को समझना-इन-विट्रो तथा इन-वीवो अध्ययन" नामक शीर्षक से सहयोगात्मक अनुसंधान अध्ययन के आयोजन के लिए 15.06.2021 को फ्रेंकफर्टर इनोवेशन्सजेनट्रम बायोटेक्नोलॉजी जीएमबीएच (एफआईजेड), फ्रेंकफर्ट, जर्मनी के साथ भी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

(घ): आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संयुक्त रूप से 33,000 आयुष मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है। कुल 66045 आयुष कर्मियों ने निरंतर आधार पर igot.in प्लेटफार्म पर प्रशिक्षण प्राप्त किया था। आयुष मंत्रालय ने कोविड-19 के प्रबंधन के लिए चिन्हित भूमिकाओं सहित कोविड वॉरियर के रूप में आयुष जनशक्ति के उपयोग हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ समन्वय किया है।

(ड.): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से विभिन्न राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, गत तीन वर्षों के दौरान बिहार, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में टेली-मेडिसिन के 03 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। तथापि, क्रियान्वयन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है।

*****